

भागलपुर में बना राज्य का पहला सेल्फ मूट एंड डजिटल कोर्ट

चर्चा में क्यों?

24 जनवरी, 2023 को बिहार के भागलपुर ज़िले के नाथनगर के नूरपुर में वरीय अधिवक्ता अनलि झा ने बताया कि राज्य के लोगों के लिये हाइकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई के लिये भागलपुर के नाथनगर में सेल्फ मूट एंड डजिटल कोर्ट बनाया गया है। अब यहाँ से देश भर के कोर्ट की सुनवाई डजिटल माध्यम से की जा सकेगी।

प्रमुख बंदि

- उल्लेखनीय है कि नाथनगर के नूरपुर में वरीय अधिवक्ता अनलि झा ने इसे बनवाया है। वरीय अधिवक्ता अनलि झा का दावा है कि बिहार में यह पहला कोर्ट है। अब तक किसी अधिवक्ता ने ऐसी व्यवस्था नहीं बनाई है। यह कोर्ट 10 डसिमलि यानी चार कट्टे जमीन में बनाई गई है, जिसमें बड़ा सा हॉल बनाया गया है।
- इसमें जज को बैठने के लिये इजलास बनवाया गया है। गवाहों की पेशी के लिये वटिनेस बॉक्स (कटघरा) बनवाया गया है। इसके अलावा 65 इंच का एलसीडी लगवाया गया है। कंप्यूटर, कैमरा व अन्य डजिटल मशीन लगवाई गई है। अब किसी भी कोर्ट के केस के लिये यहाँ बैठकर अधिवक्ता बहस कर सकेंगे।
- वदिति है कि इस मूट कोर्ट में पहला केस आनलाइन दलिली के रोहणी कोर्ट में लंबति चेक बाउंस से जुड़े मामले का लड़ा गया। इसे भागलपुर के शकियातकरत्ता प्रकाश शर्मा ने दलिली के रोहणी कोर्ट में केस कथि था जिस पर सुनवाई हुई। इसके अलावा बंगाल के मुर्शदाबाद में एक्ससि बैंक में घुसकर दो करोड़ रुपए की बड़ी डकैती का केस अभियुक्तों की तरफ से लड़ा जा रहा है, इसकी सुनवाई मूट कोर्ट के माध्यम से ऑनलाइन चल रही है।
- अधिवक्ता अनलि झा ने बताया कि इस डजिटल कोर्ट का उपयोग कोई भी अधिवक्ता कर सकेगा, जो हाइकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट का केस लड़ता है। उनके लिये यह मुफ्त सेवा है। इसके लिये एक एसोसिएशन बनाया जाएगा, जिसमें सक्रिय अधिवक्ताओं को जोड़ा जाएगा।
- सेल्फ मूट एंड डजिटल कोर्ट** - पछिले तीन चार सालों से हाइकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के केस की सुनवाई डजिटल माध्यम से यानी ऑनलाइन होने लगी है। अधिवक्ता घर बैठे मोबाइल या लैपटॉप में एप डाउनलोड कर सुनवाई में शामिल होते हैं। लैपटॉप और मोबाइल में सुनवाई में होने वाली परेशानी से समाधान के लिये वकील अपने या भाड़े के घरों में नजिी फंड से डजिटल कोर्ट बनवाते हैं। इससे अधिवक्ता और केस से जुड़े लोगों को हाइकोर्ट व सुप्रीम कोर्ट आना जाना नहीं पड़ता है।
- लॉ कंसल्टेंट राजेश कुमार तवारी ने बताया कि मूट कोर्ट में नये-नये अधिवक्ताओं को सीखने का अच्छा अवसर मलित है। नये अधिवक्ता बहस करने की अच्छी शैली सीखते हैं, हचिकचाहट दूर होती है तथा दूर के कोर्ट का केस लड़ने में आसानी होती है।